

प्रारूप-2

भाग-1 (प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा भरे जाने के लिए)

परियोजना विवरण :- जिला नैनीताल में प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत लोहाली से थुआब्लाक मोटर सड़क निर्माण लम्बाई-9.900

क) अपेक्षित वन भूमि के लिए प्रस्ताव विवरण।

4.9875 हे०

ख) 1:50,000 स्केल मैप पर वन भूमि और उसके आस-पास के वनों की सीमाओं को दर्शाने वाला मैप।

संलग्न है। (प्रारूप B)

ग) परियोजना की लागत।

592.65 लाख

घ) वन क्षेत्र में परियोजना स्थापित करने का औचित्य।

मोटर मार्ग निर्माण हेतु

ङ) लागत लाभ विश्लेषण (संलग्न किये जाने के लिए)

संलग्न है।

प्रस्तावित मोटर मार्ग के निर्माण से ग्राम थुआब्लाक मुख्य मार्ग से जुड़ जायेगा, तथा जनता को यातायात एवं कृषि कारोबार में सुविधा प्राप्त

च) रोजगार जिनके पैदा होने की संभावना है।

आवश्यक वनभूमि - 3.71 हे०

वन पंचायत भूमि- 0.9275 हे०

सिविल सोयम भूमि - 0.35 हे०

नाप भूमि- 1.4875 हे०

सिविलपाभूमि- 0.455 हे०

कुल- 6.93 हे०

2. कुल अपेक्षित भूमि का उद्देश्यवार विवरण:

3. परियोजना के कारण लोगों को हटाने का विवरण, यदि कोई है

नहीं

क) परिवारों की संख्या

नहीं

ख) अनुसूचित जाति/जनजाति के परिवारों की संख्या

नहीं

ग) पुर्नवास योजना (संलग्न किये जाने के लिए)

नहीं

4. क्या पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत मंजूरी आवश्यक है ? (हां/नहीं)

नहीं

5. प्रतिपूरक वनीकरण करने तथा उसके अनुसंधान और या दण्ड स्वरूप प्रतिपूरक वनीकरण की लागत के साथ-साथ राज्य सरकार द्वारा तैयार की गई योजना के अनुसार संरक्षण लागत और सुरक्षा क्षेत्र आदि में पुनः वनीकरण की वचनबद्धता (वचनबद्धता संलग्न की जाये)

संलग्न है।

6. निर्देशों के अनुसार संलग्न अपेक्षित प्रमाण पत्रों/दस्तावेजों का व्यौरा।

जो संलग्न है

दिनांक 20.02.2015

प्रयोक्ता एजेन्सी के हस्ताक्षर

नाम मोहर

स्थान ज्योलीकोट

अभिषेक अभियन्ता
सि.बि.सी.एम.जी.एस.वाई.
ज्योलीकोट (नैनीताल)

परियोजना विवरण :- जिला नैनीताल में प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत लोहाली से थुआब्लाक मोटर मार्ग निर्माण लम्बाई-9.900

1. विवरण के अन्तर्गत की अवस्थिति

2. सड़क मोटरगाड़ी

3. जिला

4. जिला वन प्रभाग

5. पूर्वावलोकन के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि का क्षेत्र

सड़क योजना के अन्तर्गत लोहाली से

उत्तराखण्ड प्रदेश

नैनीताल

नैनीताल वन प्रभाग नैनीताल

आरक्षित वनभूमि - 3.71 हे०

वन पंचायत भूमि - 0.9275 हे०

सिविल सोयम भूमि - 0.35 हे०

नाप भूमि - 1.4875 हे०

सिविलपाभूमि - 0.455 हे०

कुल - 6.93 हे०

17. पूर्वावलोकन के लिए पहचानी गई वन भूमि की विधिक प्रस्थिति

18. अधिग्रहण के लिए प्रस्तावित वन भूमि में उपलब्ध वनस्थिति का स्वरूप

(1) वन का प्रकार

(2) वनस्थिति का औरत पूर्ण वनत्व

(3) प्रजातिगत स्थानीय या वैज्ञानिक नाम और गिराए जाने के लिए अपेक्षित वृक्षों की परिगणना

(4) पूर्वावलोकन के लिए उपयोग की जाने वाली वन भूमि के लिए कार्यकरण योजना का मुरखा

19. गृहकरण के लिए पूर्वावलोकन हेतु उपयोग की जाने वाली वन भूमि की स्थलाकृति और क्षीणता पर संक्षिप्त टिप्पण

20. वन भूमि की सीमा से पूर्वावलोकन के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि की लगभग दूरी

21. वन्य जीव की दृष्टि से पूर्वावलोकन में उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि की महत्ता

(1) पूर्वावलोकन के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि के लगभग विद्यमान वन्यजीव का स्वरूप

(2) क्या राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण जैव क्षेत्र आरक्षण, व्याघ्र रिजर्व, हाथी कोरीडोर वन्यजीव अट्रवारा गलियारे आदि के माध्यम का निर्माण करते हैं (यदि ऐसा है तो क्षेत्र के स्तर और उपाय किए जाने में मुख्य वन्य जीव बाधन की और टीका टिप्पणियाँ उपायबद्ध की जाएँ)

(3) क्या किसी राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण जैव क्षेत्र आरक्षण व्याघ्र रिजर्व, हाथी गलियारे पूर्वावलोकन के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि की सीमा से दूर कि.मी. के भीतर अवस्थित है। (यदि ऐसा है, तो क्षेत्र के स्तर और मुख्य वन्य जीव बाधन की टीका-टिप्पणियाँ उपायबद्ध की जाएँ)

(4) क्या राष्ट्रीय उद्यान, वन्य जीव अभ्यारण जैव क्षेत्र आरक्षण व्याघ्र रिजर्व, हाथी गलियारे वन्य जीव अट्रवारा आदि पूर्वावलोकन के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि की सीमा से एक कि.मी. के भीतर अवस्थित है। (यदि ऐसा है, तो क्षेत्र के स्तर और मुख्य वन्य जीव बाधन की टीका-टिप्पणियाँ उपायबद्ध की जाएँ)

(5) क्या क्षेत्र में वनस्थिति और जीव जंतु के अलग या खतरों में अलग किरम के खतरों की प्रजातियाँ हैं, यदि हैं तो संरक्षण स्तर

22. क्या क्षेत्र में कोई कृषिगत पुरातत्वीय या गिरावट स्थल या प्रतिस्मारक स्थापन या कोई महत्वपूर्ण संरक्षक अभ्यारण है (यदि ऐसा है तो उपायबद्ध किए जाने के लिए स्थान प्राधिकारी से अनुरोध प्रमाण-पत्र (एन ओ सी) के माध्यम से संरक्षण स्तर)

23. पूर्वावलोकन के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि के विस्तार की युक्तियुक्तता के बारे में टीका टिप्पणियाँ

(i) क्या भाग- 1 के पैरा 6 और पैरा 7 में प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा यथाप्रस्तावित वन भूमि की अपेक्षा अपरिहार्य है और परियोजना के लिए अति न्यूनतम है।

हाँ

(ii) यदि नहीं तो वन भूमि के सिफारिश किए गए क्षेत्र जिसके पूर्वाक्षण के लिए उपयोग किया जा सकता है।
24. किए गए अतिक्रमण के ब्यौरे :

(i) क्या अधिनियम या अधिनियम के अन्तर्गत मार्गदर्शक सिद्धांतों के अतिक्रमण में किसी कार्य को किया गया है (हाँ/नहीं)

नहीं

(ii) यदि हाँ, तो गई कार्य अवधि, अतिक्रमण में अंतर्लित वन भूमि, अतिक्रमण के लिए उत्तरदायी व्यक्ति (यों) का नाम, पते और पदनाम सहित अतिक्रमण के ब्यौरे और अतिक्रमण के लिए उत्तरदायी के लिए उत्तरदायी व्यक्ति (यों) के विरुद्ध की गई कार्यवाही

(iii) क्या अतिक्रमण में कार्य अब भी प्रगति में है (हाँ/नहीं)

नहीं

25. क्षतिपूर्क वनरोपण स्कीम के ब्यौरे :

(i) क्षतिपूर्क वनरोपण बढ़ाने के लिए पहचान की गई वन भूमि की विधिक प्रारिधति।

(ii) अवस्थिति, सर्वेक्षण या कम्पार्टमेंट या खसरा संख्या क्षेत्र और क्षतिपूर्क वनरोपण क्षेत्र के लिए पहचान किए गए गैर वन क्षेत्र या अवनत वन जैसे ब्यौरे हैं।

(iii) क्षतिपूर्क वनरोपण क्षेत्र के लिए पहचान किए गए गैर वनीकरण या अवनत वन दर्शित करने वाले 1:50,000 माप के मूल में स्थल परत भारत का सर्वेक्षण और सामीप्य वन सीमाएं संलग्न हैं।

(iv) रोपित की जाने वाली प्रजातियों काईन्वयन अभिकरण, समय सूची, लागत संरचना आदि सहित क्षतिपूर्क वनरोपण स्कीम के ब्यौरे संलग्न हैं (हाँ/नहीं)।

(v) क्षतिपूर्क वनरोपण स्कीम के लिए कुल वित्तीय उपरिख्य :

(vi) क्या क्षतिपूर्क वनरोपण के लिए और प्रबंधन के दृष्टिकोणों से पहचान किए गए क्षेत्र की पुष्टियुक्तता के बारे में संबद्ध उपवन संरक्षक से प्रमाण-पत्र संलग्न हैं (हाँ/नहीं)।

26. वनस्पति और जीव जंतु पर प्रस्तावित क्रियाकलापों के समन्वय से सम्बन्धित महत्वपूर्ण राख्य प्रकाश में लाने वाले उप वन संरक्षक की स्थल निरीक्षण रिपोर्ट संलग्न है (हाँ/नहीं)।

27. रबीकृति या अन्यथा कारणों के साथ प्रस्ताव के लिए उप वन संरक्षक की विनिर्दिष्ट सिफारिशें

स्थान:

तारीख:

हस्ताक्षर

नाम

शासकीय मुद्रा